गर्भविज्ञान

श्रेष्ठ संतती के उपाय

वैद्य सौ वैदेही देवधर

BAMS, MD (AM)

M – 9225112216

dr.deodhar@gmail.com

BabyPhotos.co.in

Ratish Nanoor Photography

Stitch in time saves nine

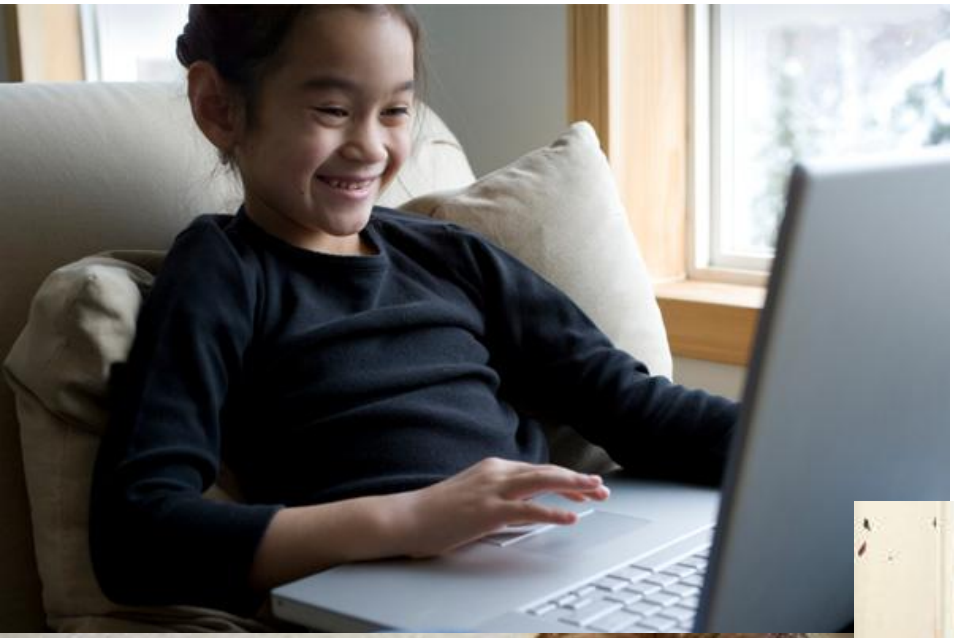

आजकी सबसे बडी चुनौती

- बडी कंपनी में जॉब मिलना
- परदेस जा के आना
- बंगला गाडी खरीदना
- बच्चोंकी सही परवरिश करके उन्हे आदर्श मनुष्य बनाना

गर्भविज्ञान की आवश्यकता

- Guest reception
- Commodity Purchasing
- Preparing recipe
- Manufacturing best product
  - Raw material
  - Time
  - Knowledge

Child
Parents
3 + 9 Months
Adhijanan Shastra

अधिजनन शास्त्र

अधि ः निश्चितता से ः विशेष रूप से (Specific)

जनन ः जन्म देने की प्रक्रिया (Reproductive)

शास्त्र ः सखोल ज्ञान (Science)

व्याख्या ः श्रेष्ठ नैसर्गिक उपायोंद्वारा दिव्य समर्थ उत्तम संतती निर्मिती के लिये विद्वानोंने आयुर्वेद की सहायतासे बनाया गया जनन शास्त्र

अधिजनन शास्त्र : व्याप्ती (Scope)

वर वधु संशोधन

विवाह

Preconception period

गर्भाधान

गर्भावस्था

नवजात

शिशु

बालक

अधिजनन शास्त्र : स्वरूप

विवाह : केवल स्त्री पुरूष का मिलन नही अपि तु पुरूष के १४ पिढीओं के और स्त्री के ५ पिढीओं के गुणों का मिलन है

वर वधु संशोधन : समान जाती और वर्ण के होने चाहिये

असमान गोत्र एवं पिंड के होने चाहिये

स्त्री पुरूष के गुण परस्पर पुरक होने चाहिये

विवाह और गर्भाधान योग्य समय होना चाहिये

समर्थ भारत

उदाहरण

कश्यप	दिती	हिरण्यकशपु हिरण्याक्ष
हिरण्यकशपु	कयागू	प्रल्हाद
पुलत्स्य मुनी	कैकसी	रावण कुंभकर्ण बिभिषण
मनु	शतरूपा	
शहाजी	जिजामाता	शिवाजी

रॉबर्ट पेले

स्वयं अनुभव

पुराणशास्त्र व आधुनिक तंत्रज्ञान

कौरव		Test tube baby
बलराम	रोहिणी	Surrogate mother

Genetic engineering

माता → Chromosome बीज ← पिता

Chromosome	बीज
DNA	बीज भाग
Genes	बीज अवयव

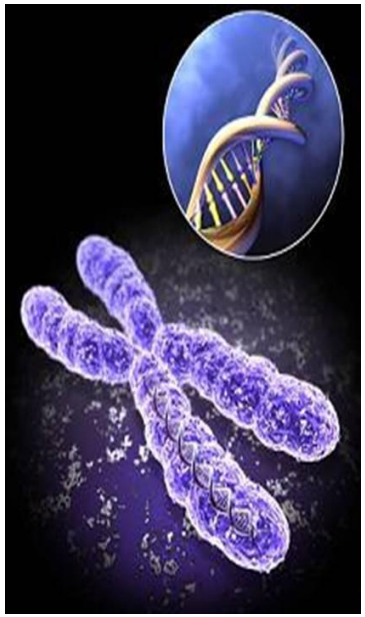

↓ ↓ → शुद्धी आवश्यक

रंग रूप स्वर बुद्धी शरीर अवयव

Diabetic Parents (American research)

पंचकर्म ः Genes repairing process

शरीर शुद्धी

दोष धातु मल मूलं हि शरीरम् □

सूक्ष्माति सूक्ष्म घटक का शोधन ः पंचकर्म

गर्भ भाव : Fetus is bunch of 6 soft wares

मातृज भाव

पितृज भाव

आत्मज भाव

गर्भ

रसज भाव

सत्वज भाव

सात्म्यज भाव

गर्भ के मातृज भाव

त्वचा	Skin
रक्त	Blood
मांस	Muscles
मेद	Fat
नाभि	Umbilicus
हृदय	Heart
स्वादुपिंड	
क्लोम	Pancreas
यकृत	Liver
प्लीहा	Spleen

मुत्रपिंड	Kidney
बस्ति	Urinary Bladder
मलाशय	Rectum
आमाशय	Stomach
ऊतरगुद	
Upper part of Rectum	
अधरगुद	
Lower part of Rectum	
क्षुद्रान्त्र	Small Intestine
स्थूलान्त्र	Large Intestine
अस्थिमज्जा	Bone marrow

गर्भ के पितृज भाव

केश	Hair – Scalp
श्मश्रु	Beard and moustache
लोम	Hair of body
दंत	Teeth
अस्थि	Bones

शिरा	Veins
स्नायु	Tendons
धमनी	Arteries
शुक्र	Semen
नख	Nail

गर्भ के सहज भाव

शरीर की उत्पति या अंग प्रत्यंग व्यक्तता
Orgin of body or manifestation of different body parts
वृद्धि Growth of Body
शरीर का प्राण के साथ अनुबन्ध
Attachment of life or strength-with body
तृप्ति
Contentment
पुष्टि
Nourishment
ऊत्साह
Enthusiasm or Zeal
Energy or Strength
बल

स्वास्थ्य
Health
अस्वास्थ्य
Unhealthy state
वर्ण
Complexion
देहस्थिति
Maintenance of Body
अलोलुपता
Non greediness

गर्भ के सत्वज भाव

शौर्य
Valour
भय
Fear
क्रोध
Anger
तंद्रा
Drowsiness
ऊत्साह
Enthusiasm
तीव्र – मृदु अथवा गंभीर स्वभाव
To be of Hyper, Tender or Introvert nature
मन का चांचल्य
Hyper activity of mind

भक्ति
Devotion
शील
Character
पवित्रता
Piousness / Cleanliness
द्वेष
Hatred
स्मृति
Memory
मोह
elusion
त्याग
Renunciation
मात्सर्य
Back biting

गर्भ के आत्मज भाव

आरोग्य
Freedom from Diseases
अनालस्य
Absence of idleness
अलोलुपत्व
Absence of greed
स्वर
Normal Voice
वर्ण
Normal complexion
बीज – वीर्य संपत
Normal Seed

सदा आनंद
Constant Happiness
मेधा
Brain
इन्द्रिय प्रसाद
Perspicuity of Indriyas
ओज संपत
High Quality Oja
आयु
Longevity
बळ
Strength or Energy

Importance of preconception period

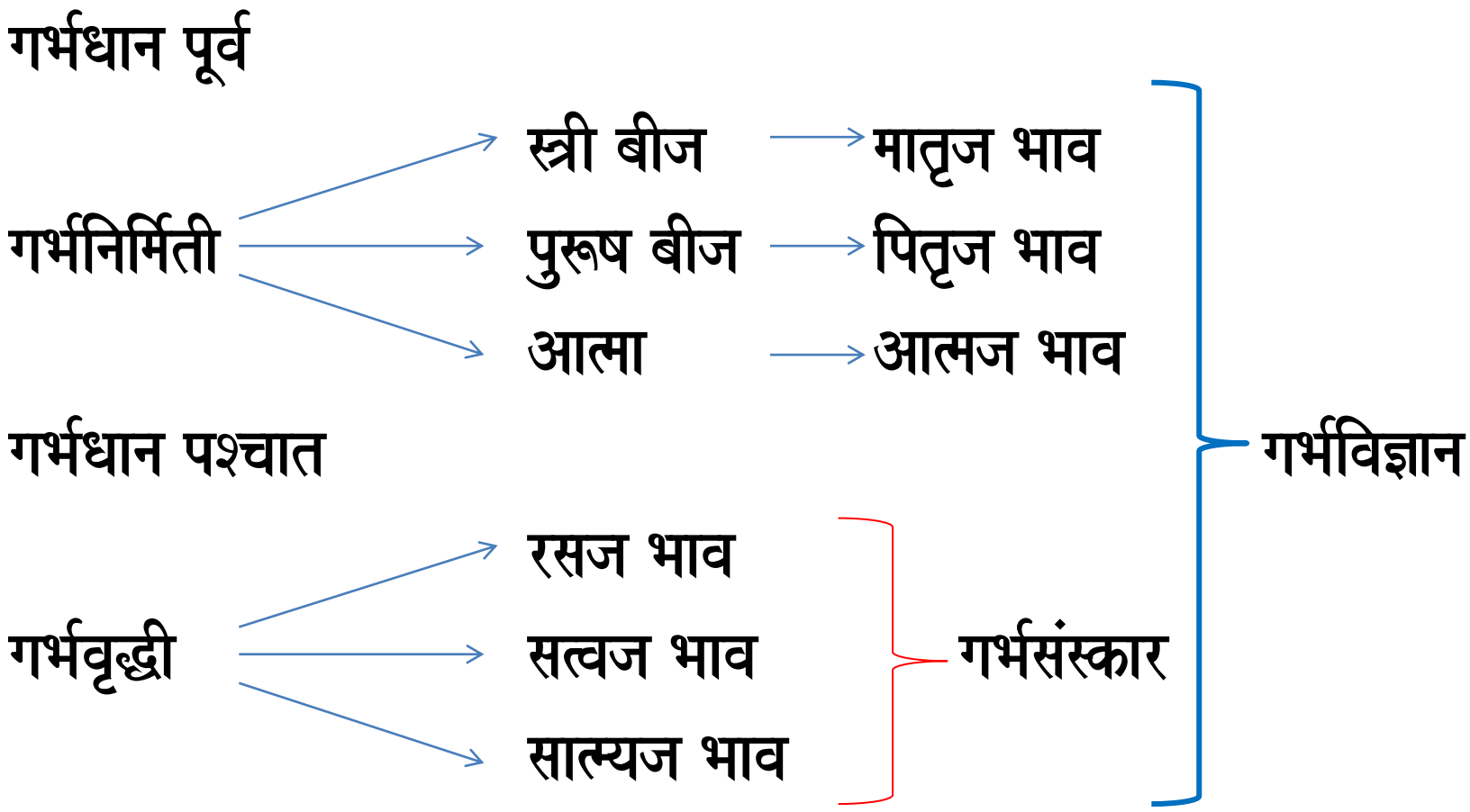

गर्भ के आत्मज भाव

विशिष्ट योनिमें ऊत्पति
Birth in specific species
आत्मज्ञान
Knowledge about oneself
मन
Mann
प्राण अपान
Respiration and flatus
प्रेरण
Impulse
धारण
Sustenance
आकृति
Appearance
Voice
विशिष्ट वर्ण
Specific Complexion
सुख–दुख
Happiness and Sorrow

इच्छाद्वेष
Longing and hatred
चेतना
Consciousness
Dharti (Retention power)
धृति – धारणशक्ति
बुद्धि Buddhi (Knowledge)
यादशक्ति
Smruti (Memory)
अहंकार
Pride of egotism
प्रयत्न
Endeavor
आयु Longevity
आत्मज्ञान
Perception of Indriyas

स्त्री बीज पुरूष बीज आत्मा

प्राप्य पुण्यकृतां लोकानुषित्वा शाश्वतीः समाः ।
शुचीनां श्रीमतां गेहे योगभ्रष्टोऽभिजायते ॥ ६.४१ ॥

गुरू ः शिष्य आत्मा ः पालक

स्त्री बीज महत्व

आहार विहार आचार विचार वय

गर्भसंभव सामग्री

ऋतु क्षेत्र अम्बु बीज

Period Uterus Nutrition Sperm & Ovum

शुद्धी प्रक्रिया

पुरूष बीज महत्व

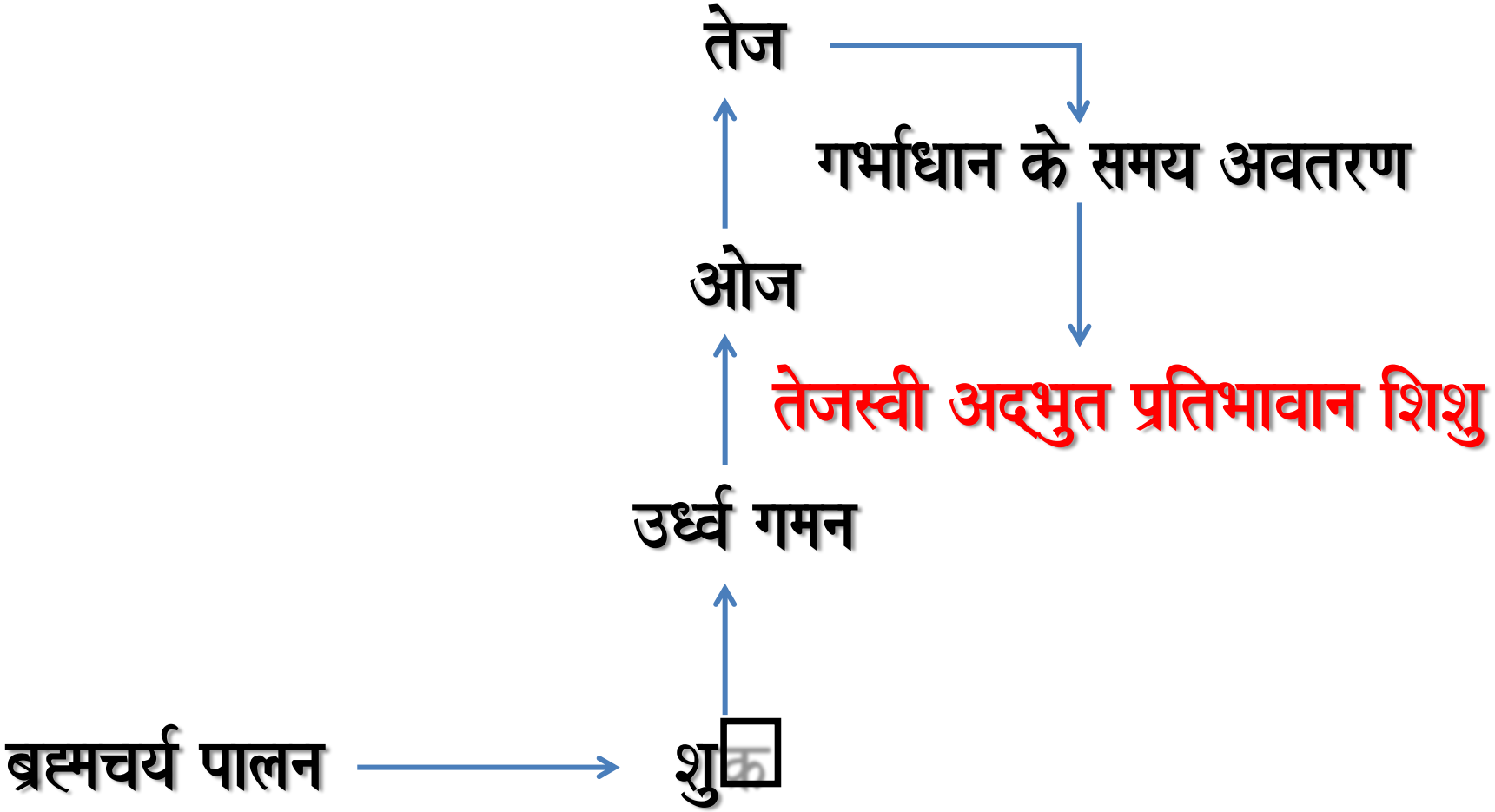
तेज
गर्भाधान के समय अवतरण
ओज
तेजस्वी अद्भुत प्रतिभावान शिशु
उर्ध्व गमन
ब्रह्मचर्य पालन
शु

श्रेष्ठ संतान निर्मिती नामक यज्ञ की समिधा

आहार

विहार

ब्रह्मचर्यपालन

पंचकर्म

अष्टांग योग

संकल्प शक्ती

अष्टांग योग

यम नियम आसन प्राणायाम

प्रत्याहार धारणा ध्यान समाधी

यम :

१.अहिंसा २.सत्य ३.अस्तेय ४.अपरिग्रह ५.ब्रह्मचर्य

नियम :

१.शौच २.संतोष ३.तप ४.स्वाध्याय ५.ईश्वरप्रणिधान

संकल्प शक्ती

बीज निर्मिती का समय ः उच्च परिणाम कारकता

संतान उत्पत्ती का clear vision

संतान के लिये गुण चयन

बीजशुद्धी

१० दिन ही क्यू ?

आयुर्वेद के नुसार

सप्तधातुमय शरीर

रस

रक्त

मांस

मेद

अस्थि

मज्जा

शु□

Modern view point

Spermatogenesis

Oogenesis

संस्कार

सम् और □

संस्कार नाम गुणांतराधानं उच्यते

संस्कारो नाम स भवतिदस्मिन जाते पदार्थो भवति योग्यः कस्यचिदर्थस्य

६४ १६ ४

सबल संतुलित सुविचारी सत्यान्वेशी सेवाभावी

गर्भाधान संस्कार

गोशाळा : यज्ञ

१६ संस्कारो में से बीज अवस्थामें होनेवाला प्रथम संस्कार

शरीर प्र□ती : वात पित्त कफ : बालक की प्र□ती

मानसिक विचार : बालक का स्वभाव

अन्य संस्कार

- **पुंसवन संस्कार** ः माता के माध्यम से गर्भशुद्धी
- **सिमंतोनयन संस्कार** ः दौहृद अवस्था
- **जातकर्म संकार** ः सुवर्णप्राशनह्यतनुमेधाग्निबलवर्धनम्

गर्भिणी परिचर्या

गर्भिणी ः तेलासे पुरा भरा हूवा काचं का पात्र

आहार

२ बार पुरा खाना १ बार नाश्ता १ बार द्रव पदार्थ

- प्राकृतिक पदार्थोंका सेवन
- Junk Food का सेवन न करें

आयुर्वेदोक्त मासानुमासिक आहार

१. १ ते २ ग्लास गाय का दूध

२. शतावरी, गुळवेल, यष्टिमधु और दूध

३. १ कप दूध, अर्धा चमच मधु, १ चमच घी

४. १ चमच गाय का मख्खन

५. १ चमच गाय का घी

६. विदारीकंद १० g, यष्टिमधु १० g, बेर का काढा

७. दोन बाटी डालकर बनाया हुवा मख्खन

८. चावल ६ गुना दूध में उबालकर खीर और तूर, मूग, चना इनकी डाल ६ गुना पानी में उबालकर बनाया हुवा पेज़

आयुर्वेदोक्त गर्भिणी विहार

- सूर्यदर्शन
- वस्त्र व गहने
- पानी ः सुवर्णसिद्ध जल
- वाचन
- संस्कृत पठण
- औषध सेवन
- संगीत
- गर्भसंवाद